सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 275 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 16 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

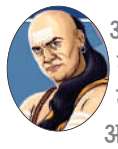

अच्छा मित्र हमें तब नहीं छोड़ता जब हमें उसकी जरूरत हो जैसे, दुर्घटना पड़ गई हो, अकाल पड़ गया हो आदि...

-चाणक्य

24 के चुनाव में दिखेगा भारत जोड़ो... 8 | पहली बार घटी डिंपल-अखिलेश की... 3 | ट्रैफिक की समस्या से निजात... 7

यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से

गांवों में पर्यटन को बढ़ावा, घर को बना सकेंगे होटल-लाज

» यूपी कैबिनेट ने नई पर्यटन नीति सहित 24 अहम प्रस्तावों को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट बैठक में 24 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। कैबिनेट के फैसलों के मुताबिक यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से आयोजित होगा। यह सत्र तीन दिन का होगा। इसके साथ ही संभल में नया स्टेडियम बनाये जाने और दो निजी विश्वविद्यालयों को एनओसी, एसजीपीजीआई मेडिकल वार्ड में 12 नए बेड की मंजूरी, नई पर्यटन नीति को मंजूरी और यूपी इलेक्ट्रॉनिक नीति में संशोधन के प्रस्ताव पर मुहर लगी।

यूपी के गांवों में पर्यटन पहुंचाने के लिए योगी कैबिनेट ने बड़ा फैसला करते हुए गांवों के घरों को होटल और लाज में तब्दील किए जाने का भी प्रस्ताव पास किया है। इससे प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलने के साथ ही रोजगार के नए संशाधन भी उपलब्ध होंगे। बैठक में महलों, पुरानी हवेलियों को हेरिटेज होटल के तौर पर विकसित करने का प्रावधान किया गया है। गांवों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी पर्यटन नीति में व्यवस्था की गई है। गांवों के इच्छुक लोग अपने मकानों को होटल, लाज के तौर पर विकसित कर सकेंगे। कैबिनेट में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी को मंजूरी दे दी गई है। दो निजी विश्वविद्यालय के आशय पत्र जारी किए गए हैं। हरित विश्वविद्यालय गाजियाबाद और महावीर विश्वविद्यालय मेरठ को आशय पत्र जारी करने की मंजूरी मिली है। वहीं संजय गांधी पीजीआई में क्रिटिकल केयर के 12 बेड जोड़े गए हैं। इससे मरीजों को मदद मिलेगी। वर्तमान में क्रिटीकल केयर के 20 बेड हैं। उच्च न्यायालय में ट्रेनी क्लर्क का कार्यकाल एक से बढ़ाकर दो साल किया गया है। उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल के लिए वाहनों की व्यवस्था की जाएगी।

इससे पहले कमिश्नरेट में शामिल किए थे ग्रामीण थाने

कुछ दिनों पहले हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश सरकार ने लखनऊ, कानपुर और वाराणसी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली का पुनर्गठन करने का फैसला किया। इसके तहत तीनों जिलों में ग्रामीण जिला व्यवस्था को समाप्त करके पूरे जिले को पुलिस कमिश्नरेट में शामिल करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय ग्रामीण थानों के संचालन में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों को देखते हुए किया गया। अब इन तीनों शहरों में ग्रामीण जिला के सभी थाने पुलिस कमिश्नरेट के अधीन है।

बीजेपी प्रत्याशी रघुराज नामांकन से पहले पहुंचे मुलायम की समाधि स्थल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य ने आज नामांकन कर दिया। उससे पहले रघुराज सिंह शाक्य मुलायम सिंह यादव की समाधि स्थल पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की। भाजपा प्रत्याशी ने दो सेटों में नामांकन दाखिल किया है। प्रस्तावकों में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान और भोगांव विधायक पंडित रामनरेश अग्निहोत्री उनके साथ रहे। रघुराज सिंह शाक्य ने कहा कि मैं जनता का सेवक, किसान का बेटा हूं, चुनाव जीतने के बाद भी आप सभी के बीच में ही रहूंगा। मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी से डिंपल यादव प्रत्याशी हैं। इस सीट पर सपा और भाजपा में सीधी टक्कर मानी जा रही है। उधर, मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर पूर्व विधायक मदन भैया ने भी नामांकन दाखिल किया है।

» रालोद-सपा गठबंधन के प्रत्याशी मदन भैया ने खतौली सीट से भरा पर्चा

मुस्लिम समाज के प्रति निगेटिव सोच रखती है भाजपा : मायावती

» बसपा सुप्रीमो को खटक रहा भाजपा का पसमांदा मुस्लिमों की ओर झुकाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के बाद आजम खां के क्षेत्र रामपुर में भाजपा का पसमांदा मुस्लिम सम्मेलन बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती को खटक रहा है। पसमांदा मुस्लिम समाज की ओर भाजपा का बढ़ता झुकाव देखकर आज मायावती ने ट्वीट के जरिए जमकर हमला बोला।

मायावती ने कहा कि ये भाजपा और आरएसएस का एक नया शिगुफा है। अपने केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की खातिर 'पसमांदा मुस्लिम समाज' का राग भाजपा व आरएसएस का अब नया शिगुफा। जबकि मुस्लिम समाज पहले मुसलमान हैं तथा उनके प्रति इनकी सोच, नीयत, नीति एवं उनका ट्रैक रिकार्ड क्या व कैसा है यह किसी से भी छिपा नहीं। बसपा प्रमुख बोलीं भाजपा की मुस्लिम समाज के प्रति निगेटिव सोच का परिणाम है कि इनकी सरकार में भी वे लगभग उतने ही गरीब, पिछड़े, त्रस्त एवं जान-माल-मजहब के मामलों में असुरक्षित हैं जितने वे कांग्रेसी राज में थे। मुस्लिम समाज का, दलितों की तरह पसमान्दा व उपेक्षित बने रहना अति-दु:खद व दुर्भाग्यपूर्ण।

गुजरात में चुनाव आयोग के सामने धरने पर बैठे मनीष सिसोदिया

» आरोप- गनप्वाइंट पर वापस कराया गया प्रत्याशी का नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव का रण काफी रोचक होता जा रहा है। आम आदमी पार्टी के सूरत (पूर्व) से उम्मीदवार कंचन जरीवाला ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इससे पहले आप ने भाजपा पर जरीवाला को अगवा करने और जबरन नामांकन वापसी का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। वहीं आप नेता मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने सूरत(पूर्व) से हमारे उम्मीदवार कंचल जरीवाला को अगवा कर लिया गया था।

सिसोदिया ने मीडिया के सामने कहा कि भाजपा आप उम्मीदवार का नामांकन खारिज करवाने की कोशिश कर रही है। सिसोदिया ने बताया, 500 से ज्यादा पुलिस वाले जबरन कंचन जरीवाला को रिटर्निंग ऑफिसर के दफ्तर लेकर पहुंचे और उन पर नामांकन वापस लेने का दाबव बनाया गया। सिसोदिया ने कहा, जो कुछ हो रहा है वह चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा, मैंने चुनाव आयुक्त से मिलने का समय मांगा है। मनीष सिसोदिया चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई की मांग को लेकर वह धरने पर बैठ गए हैं। सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा, कैंडिडेट का अपहरण हो गया। गनप्वाइंट पर उसका नामांकन वापस कराया। चुनाव आयोग के लिए इससे बड़ी एमेरजेंसी क्या हो सकती है? इसीलिए तुरंत एक्शन की प्रार्थना लेकर हम लोग केंद्रीय चुनाव आयोग के दरवाजे पर आए हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी पर टिकट बेचने के आरोपों को सिसोदिया ने खारिज किया। उन्होंने कहा, आप में टिकट नहीं बेचे जाते। उन्होंने कहा, मैं मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करता हूं।

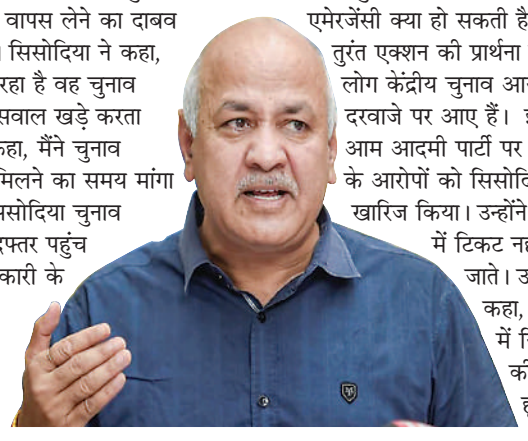

मुझ पर आशीर्वाद है नेताजी और शिवपाल यादव का : रघुराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी ने मैनपुरी उपचुनाव के लिए रघुराज शाक्य को अपना उम्मीदवार घोषित किया है जो कि प्रसपा नेता शिवपाल सिंह यादव के करीबी माने जाते हैं। उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद रघुराज शाक्य ने इस उपचुनाव को ऐतिहासिक चुनाव करार दिया। उन्होंने कहा कि मैनपुरी की जनता बदलाव चाहती है। मैनपुरी लोकसभा सीट मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई है और इस पर 5 दिसंबर को उपचुनाव के तहत मतदान है।

सपा की ओर से यादव परिवार की बहू डिंपल यादव को टिकट दिया गया है और जिनसे मुकाबला करना रघुराज शाक्य के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि यह सीट वर्षों से सपा का गढ़ रही है। वहीं प्रसपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने अब तक मैनपुरी उपचुनाव पर चुप्पी साधी हुई है। उन्होंने न तो उम्मीदवार उतारे हैं और न ही सपा उम्मीदवार के समर्थन को लेकर कोई बात कही है। बता दें कि रघुराज शाक्य सपा के दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव के शिष्य रहे हैं। उन्होंने कहा शिवपाल सिंह ने सपा को मजबूत किया था. अखिलेश को विरासत में सीट मिलनी ही थी।

यूपी उपचुनाव से हाथ-हाथी दूर

मायावती और कांग्रेस नहीं उतारेंगे उम्मीदवार

» सपा और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव से कांग्रेस पार्टी ने दूरी बनाने का फैसला लिया है। कांग्रेस पार्टी मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के साथ खतौली और रामपुर विधानसभा उपचुनाव में अपने प्रत्याशियों को नहीं उतारेगी। कांग्रेस का कहना है कि वो फिलहाल अपने संगठन को मजबूत बनाकर निकाय चुनाव पर फोकस कर रही है। वहीं कांग्रेस के साथ बहुजन समाज पार्टी भी उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी।

ऐसे में समाजवादी पार्टी और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला होने जा रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने कई संगठनात्मक बदलाव किए हैं। कांग्रेस ने कुछ दिन पहले ही अपने प्रदेशाध्यक्ष और प्रांतीय अध्यक्षों की घोषणा की है। कांग्रेस ने यूपी में दलित चेहरे बृजलाल खाबरी को पार्टी की कमान सौंपी है, जिसके बाद से कांग्रेस लगातार अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश में जुटी हैं। ऐसे में कांग्रेस यूपी नगर निकाय चुनाव की तैयारी कर रही है। इससे पहले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बृजलाल खाबरी भी कह चुके हैं कि अगर कांग्रेस उपचुनाव में जाती है तो उनका एक महीने का समय खराब हो जाएगा। उन्होंने तो यहां तक आरोप लगाया था कि ये निकाय चुनाव से पहले उपचुनाव कराये भी इसलिए जा रहे हैं ताकि दूसरे दलों को तैयारी का समय न मिले और उनकी तैयारी प्रभावित हो. ऐसे में अब उनका फोकस निकाय चुनाव पर है। इससे पहले भी कांग्रेस ने रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव नहीं लड़ा था। कांग्रेस के अलावा बसपा भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी, जाहिर है ऐसे में सपा व बीजेपी के बीच सीधी टक्कर देखने को मिलेगी। बता दें कि मैनपुरी लोकसभा सीट सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई है। वहीं रामपुर विधानसभा सीट सपा नेता आजम खान और खतौली विधानसभा सीट बीजेपी नेता राजकुमार सैनी की विधायकी रद्द होने के बाद खाली हुई हैं।

हम उनसे अपना अधिकार छीन लेंगे : ममता

» बंगाल की सीएम ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बकाया पैसों को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार को या तो राज्यों का बकाया चुकाना चाहिए या पद छोड़ना चाहिए। केंद्र ने मनरेगा का पैसा रोक रखा है, क्या हमसे अपने बकाये के लिए हाथ फैलाने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र राज्य का बकाया नहीं चुकाता है तो उसे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) देना बंद करना पड़ सकता है।

आदिवासी बहुल झाड़ग्राम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र को या तो राज्यों का बकाया चुकाना चाहिए या फिर सत्ता छोड़ देनी चाहिए। ममता ने आरोप लगाया कि केंद्र मनरेगा फंड जारी नहीं कर रहा है और आदिवासियों से इसका विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्या हमें अपना बकाया चुकाने के लिए केंद्र के सामने गिड़गिड़ाना पड़ेगा?

मैनपुरी उपचुनाव में शिवपाल स्टार प्रचारक

» उपचुनाव में प्रत्याशी डिंपल यादव की राह होगी आसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची की खास बात यह है कि इसमें प्रसपा नेता शिवपाल सिंह यादव का नाम भी शामिल है। यहां शिवपाल बहू डिंपल यादव के लिए प्रचार करते नजर आ सकते हैं। हालांकि इस सूची को लेकर उनकी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पिछले दिनों पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने मैनपुरी चुनाव को लेकर कहा था कि सपा उम्मीदवार के नाम की घोषणा के बाद वह अपनी भूमिका का खुलासा करेंगे।

प्रचारकों की सूची जारी होने से स्पष्ट हो गया है कि सपा का गढ़ रही इस सीट पर वह अपने परिवार का साथ खड़े दिखाई दे सकते हैं। उधर, दूसरी तरफ बीजेपी ने रघुराज सिंह शाक्य को मैदान में उतारा है जो शिवपाल सिंह यादव के करीबी माने जाते हैं. ऐसे में मैनपुरी में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। रघुराज सिंह ने बीजेपी द्वारा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद यह दावा किया था कि शिवपाल यादव का आशीर्वाद उनके साथ है लेकिन सपा के

प्रचारकों की सूची जारी होते ही यह तय हो गया है कि वह डिंपल यादव के समर्थन में रैली करेंगे। मैनपुरी सीट पर 5 दिसंबर को मतदान कराया जाएगा। इस सीट पर सबसे अधिक यादव मतदाता हैं और इसके बाद ठाकुर, शाक्य, ब्राह्मण और मुस्लिम मतदाता हैं. सपा ने चुनाव से पहले मैनपुरी में शाक्य समाज को साधने के लिए आलोक शाक्य को जिला अध्यक्ष घोषित कर दिया था जबकि बीजेपी ने उम्मीदवार ही शाक्य समाज से चुना है।

सेवा के क्षेत्र में संघ का अपना कोई स्वार्थ नहीं : भागवत

» संघ में आने की कोई फीस नहीं लगती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संघ में आने की कोई फीस नहीं लगती है, संघ में कोई भी आ सकता है। सबके पूर्वज समान हैं। उन्होंने कहा कि आज के 40,000 वर्ष पहले जो भारत था वो काबुल के पश्चिम से छिंदविन नदी के पूर्व तक और चीन की तरफ की ढलान से श्रीलंका के दक्षिण तक जो मानव समूह आज है उनका डीएनए 40,000 वर्षों से समान है और तबसे ही हमारे पूर्वज भी समान ही हैं।

भागवत ने कहा कि पहले इंग्लैंड में 4 भाषाएं बोली जाती थी और अब केवल एक भाषा बोली जाती है। उन्होंने कहा कि संघ के खिलाफ कोई किसी को भी नहीं भड़का सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जोर और दबाव से कुछ करने से कोई फायदा नहीं है। हमारे देश में न एक पूजा है और न ही एक भाषा है और न ही एक जाति है। भागवत ने कहा कि सेवा के क्षेत्र में संघ का अपना कोई स्वार्थ नहीं है। हमारे देश का जिक्र रामायण और महाभारत में भी है। उन्होंने कहा कि यदि बाहर से आक्रमण हुआ लेकिन फिर भी हम एक हैं। बाहर से आक्रमण हुआ फिर भी हम एक है। हम सबके पूर्वज समान हैं। उन्होंने कहा कि अखंड भारत से लेकर तिब्बत तक के लोगों का डीएनए समान है। यह साइंस भी कहती है कि किसी के पूजा पद्धति को बदलने का प्रयास मत करो। हम लोग आपस में जितना लड़े संकट के समय हम एक हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि 4 बार जब युद्ध हुआ तब हम लोग एक थे और संघ की शाखा में हम किसी से किसी की जाति नहीं पूछते हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

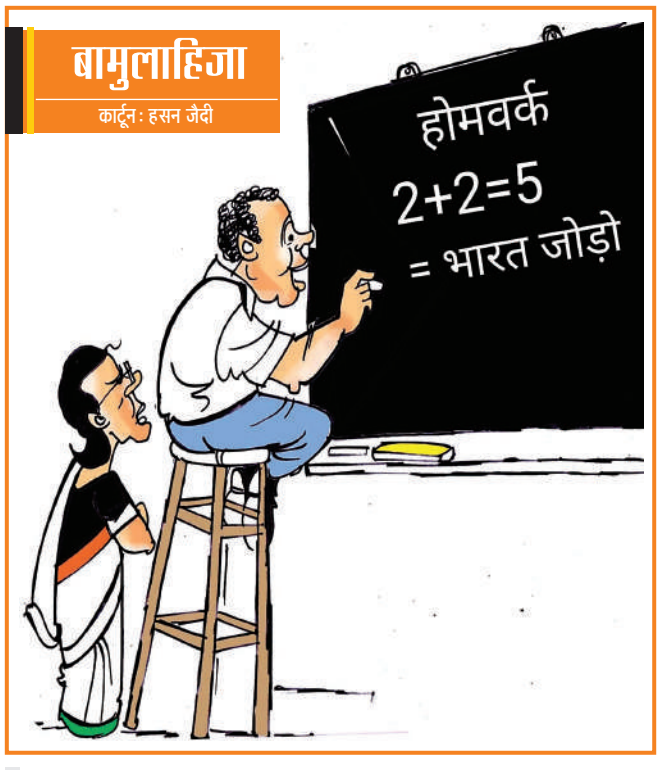

गुजरात में 15 फीसदी आदिवासी बदल सकते हैं सियासी तस्वीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियां अपने चुनावी अभियान में जुटी हुई हैं। यहां की 182 विधानसभा सीटों के लिए 1 और 5 दिसंबर को मतदान होना है। 1 दिसंबर को होने वाले पहले चरण में 89 सीटों पर मतदान होगा। वहीं बाकी की सीटों पर 5 दिसंबर को वोटिंग होगी। राजनीतिक दल गुजरात के तमाम समीकरणों को साधने में जुटे हैं। ऐसे में इस राज्य में आदिवासी तबका चुनावों में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो किसी भी राजनीतिक दल की किस्मत बदल सकते हैं।

गुजरात में आदिवासियों की 15 फीसदी आबादी है, यह समुदाय जिस भी पार्टी की तरफ घूमेगा उससे राज्य के सियासी समीकरण बदल सकते हैं। वैसे तो आदिवासी कांग्रेस के परंपरागत वोटर माने जाते हैं, लेकिन राज्य में हुए लोकसभा और विधानसभा के पिछले कुछ चुनावों में यह वोट बैंक कांग्रेस से छिटका है। 2019 के लोकसभा चुनाव में आदिवासी समुदाय ने बीजेपी को 50 फीसदी से ज्यादा वोट दिया था। इस समुदाय की बड़ी आबादी गुजरात के पूर्वी जिलों में रहती है। आदिवासी बाहुल्य वाले जिलों में डांग में 95 फीसदी, तापी 84 फीसदी, नर्मदा 82 फीसदी, दाहोद 74 फीसदी, वलसाड 53 फीसदी, नवसारी 48 फीसदी, भरुच 31 फीसदी, पंचमहल 30 फीसदी, वडोदरा 28 फीसदी और सबारकांठा में 22 फीसदी हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक गुजरात में 89.1 लाख आदिवासी हैं, जो राज्य की कुल आबादी का 15 फीसदी बैठती है।

पहली बार घटी डिंपल-अखिलेश की संपत्ति

डिंपल पर अखिलेश का लाखों का उधार, संपत्ति 39 करोड़ से ज्यादा, फिर भी दोनों बे-'कार'

» पूर्व सांसद को मिल सकती है सहानभति, नेताजी का असर अब भी बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट पर पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए डिंपल यादव ने नामांकन दाखिल कर दिया। डिंपल के साथ उनके पति और सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मौजूद थे। दोनों ने पहले मुलायम सिंह यादव की समाधि पर श्रद्धांजलि दी और फिर नामांकन दाखिल किया। डिंपल कन्नौज से दो बार सांसद चुनी जा चुकी हैं, जबकि दो चुनाव में हार का भी सामना करना पड़ चुका है। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान डिंपल ने कन्नौज से चुनाव लड़ा था, तब उन्हें भाजपा के सुब्रत पाठक ने हराया था। चुनावी हलफनामे में डिंपल ने अपनी संपत्ति का ब्योरा दिया है।

इसके मुताबिक उनके पास लखनऊ और सैफई में जमीन है। पिछले साढ़े दस महीने में उनकी संपत्ति घटी है। 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने अपनी कुल संपत्ति 40 करोड़ 14 लाख से ज्यादा बताई थी। साढ़े दस महीने बाद ये घटकर 39 करोड़ 91 लाख 50 हजार 416 रुपये हो गई है। 2004 से अब तक अखिलेश यादव और डिंपल यादव ने जितनी बार चुनावी हलफनामा दायर किया, हर बार उनकी संपत्ति में इजाफा हुआ। पहली बार ऐसा हो रहा है जब डिंपल-अखिलेश की संपत्ति में कमी आई है। इस हलफनामे के मुताबिक डिंपल के पास सवा लाख का कंप्यूटर, करीब साठ साल के गहने तो हैं लेकिन कार या बाइक नहीं है। इसी तरह अखिलेश के नाम पर 76 हजार का फोन करीब साढ़े पांच लाख की व्यायाम मशीन है लेकिन उनके नाम पर भी कोई गाड़ी नहीं है।

2009 से 2012 के बीच सात करोड़ रुपये बढ़ गई संपत्ति

डिंपल यादव ने 2009 में पहली बार चुनाव लड़ा था। फिरोजाबाद सीट से उन्होंने उपचुनाव में कांग्रेस के राजबब्बर का मुकाबला किया था। हालांकि, इस चुनाव में वह हार गईं थीं। तब उनके पास करीब चार करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इसके बाद 2012 में डिंपल ने दूसरी बार लोकसभा का चुनाव कन्नौज से लड़ा। कन्नौज की सीट से पहले अखिलेश यादव सांसद थे, लेकिन 2012 में मुख्यमंत्री बनने के लिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। तब हुए उपचुनाव में डिंपल यादव निर्विरोध जीत गईं थीं। उस वक्त डिंपल के पास नौ करोड़ तीन लाख रुपये की संपत्ति थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में डिंपल यादव ने 28 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति बताई थी। महज दो साल में उनकी संपत्ति में 19 करोड़ से ज्यादा का इजाफा हुआ। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान भी डिंपल ने अपने चुनावी हलफनामे में संपत्ति की जानकारी दी है। इस दौरान उनकी संपत्ति में करीब नौ करोड़ रुपये का इजाफा हुआ था। और यह बढ़कर 37 करोड़ 78 लाख पहुंच गई।

लाखों के गहने लखनऊ-सैफई में जमीनें

डिंपल के पास करीब 60 लाख रुपये के गहने हैं। इसमें सोने, चांदी, हीरे और मोती के आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा लखनऊ और सैफई में डिंपल के नाम जमीनें भी हैं। डिंपल ने 1993 में आर्मी पब्लिक स्कूल, लखनऊ से हाईस्कूल की पढ़ाई की है। इसके बाद 1995 में इंटरमीडिएट और 1998 में बीकॉम की डिग्री ली। 2012 और फिर 2014 में दो बार डिंपल कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद चुनी जा चुकी हैं। अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी डिंपल को 20 लाख का उधार दे रखा है। वहीं, पिता मुलायम सिंह यादव को दो करोड़ 13 लाख से ज्यादा का उधार दे रखा था। इसी तरह डिंपल ने भी गोविंद बल्लभ चतुर्वेदी और राम चतुर्वेदी नाम के दो लोगों का उधार दे रखा है।

डिंपल के लिए अच्छे नहीं रहे हैं उपचुनाव

1996 से इस सीट पर समाजवादी पार्टी का कब्जा है। पांच बार खुद मुलायम सिंह यहां से सांसद चुने गए। इसके अलावा मुलायम परिवार के ही तेज प्रताप सिंह यादव, धर्मेंद्र यादव एक-एक बार यहां से जीत चुके हैं। दो बार सपा के टिकट पर ही बलराम सिंह यादव ने यहां से चुनाव जीता था। अभी तक भाजपा व अन्य दलों ने अपने उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है। मैनपुरी लोकसभा सीट में विधानसभा की पांच सीटें आती हैं। इनमें चार सीटें- मैनपुरी, भोगांव, किशनी और करहल मैनपुरी जिले की हैं। इसके साथ ही इटावा जिले की जसवंतनगर विधानसभा सीट भी इस लोकसभा सीट का हिस्सा है। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में मैनपुरी जिले की दो सीटों पर भाजपा, जबकि दो पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत हासिल की थी। इसमें मैनपुरी और भोगांव भाजपा के खाते में गई थी, जबकि किशनी और करहल सपा के। करहल से खुद अखिलेश यादव विधायक हैं। वहीं, इटावा की जसवंतनगर सीट पर सपा के टिकट पर शिवपाल सिंह यादव जीते थे।

आजादी के बाद से अब तक मैनपुरी में क्या-क्या हुआ?

आजादी के बाद देश में 1951-52 में पहली बार लोकसभा चुनाव हुए। उस समय मैनपुरी लोकसभा सीट का नाम मैनपुरी जिला पूर्व था। पहले चुनाव में मैनपुरी पूर्व से कांग्रेस के बादशाह गुप्ता जीते थे। बाद में इस सीट का नाम बदलकर मैनपुरी कर दिया गया।

- 1957 : प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के बंशी दास धनगर ने बादशाह गुप्ता को हराया।
- 1962 : कांग्रेस के बादशाह गुप्ता ने वापसी की और जीत कर दूसरी बार सांसद बने।
- 1967 : कांग्रेस ने प्रत्याशी बदला दिया। कांग्रेस के टिकट पर 1967 और फिर 1971 में महाराज सिंह सांसद चुने गए।
- 1977 : भारतीय लोकदल के रघुनाथ सिंह वर्मा ने कांग्रेस के महाराज सिंह को हराया। बीएलडी का जनता पार्टी में विलय हो गया।
- 1980 : रघुनाथ सिंह वर्मा जनता पार्टी (सेक्यूलर) के टिकट पर जीते।
- 1984 : कांग्रेस के बलराम सिंह यादव चुनाव जीत गए।
- 1989 : समाजवादी नेता और कवि उदय प्रताप सिंह 1989 में जनता दल और 1991 में जनता पार्टी के टिकट पर सांसद चुने गए।
- 1996 : मुलायम सिंह यादव ने 1992 में समाजवादी पार्टी बनाई। साल 1996 के लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी से चुनाव लड़े और जीते।
- 1998 और 1999 : सपा के बलराम सिंह यादव सांसद चुने गए।
- 2004 : सपा से मुलायम सिंह यादव जीते, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। 2004 में कराए गए उप-चुनाव में उनके भतीजे धर्मेंद्र यादव मैनपुरी से सांसद चुने गए।
- 2009 और 2014 : लोकसभा चुनाव में फिर मुलायम सिंह यादव मैनपुरी से सपा के टिकट पर सांसद बने।
- 2014 : मुलायम सिंह यादव आजमगढ़ और मैनपुरी दोनों जगहों से जीते थे। बाद में उन्होंने मैनपुरी लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। तब उपचुनाव में मुलायम सिंह यादव के परिवार के तेज प्रताप यादव सपा के टिकट पर सांसद चुने गए।

मैनपुरी में अभी करीब 17 लाख वोटर्स

मैनपुरी में अभी करीब 17 लाख वोटर्स हैं। इनमें 9.70 लाख पुरुष और 7.80 लाख महिलाएं हैं। 2019 में इस सीट पर 58.5 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। मुलायम सिंह यादव को कुल 5,24,926 वोट मिले थे, जबकि दूसरे नंबर पर रहे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रेम सिंह शाक्य के खाते में 4,30,537 मत पड़े थे। मुलायम को 94,389 मतों के अंतर से जीत मिली थी। जातीय समीकरण की बात करें तो ये सीट पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की बहुलता वाली सीट है। यहां सबसे ज्यादा यादव मतदाता हैं। इनकी संख्या करीब 3.5 लाख है। शाक्य, ठाकुर और जाटव मतदाता भी अच्छी संख्या में हैं। इनमें करीब एक लाख 60 हजार शाक्य, एक लाख 50 हजार ठाकुर, एक लाख 40 हजार जाटव, एक लाख 20 हजार ब्राह्मण, एक लाख लोधी राजपूतों के वोट हैं। वैश्य और मुस्लिम मतदाता भी एक लाख के करीब हैं। कुर्मी मतदाता भी एक लाख से ज्यादा हैं।

जातीय समीकरण साधना

जब तक मुलायम सिंह यादव यहां से चुनाव लड़ते थे, तब तक सभी जाति-वर्ग के लोग उनके साथ आ जाते थे। मुलायम की गैरमौजूदगी में अखिलेश और डिंपल के लिए जातीय समीकरण को साधने की भी चुनौती होगी। मैनपुरी में सबसे ज्यादा यादव वोटर्स हैं, लेकिन अन्य जातियों की संख्या भी काफी अधिक है। अगर भाजपा अगर गैर यादव वोटरों को अपने पक्ष में एकजुट करने में सफल रहती है तो डिंपल यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

परिवार को एकजुट करने की चुनौती

डिंपल और अखिलेश यादव के सामने सबसे बड़ी चुनौती परिवार को एकजुट करने की ही होगी। मैनपुरी लोकसभा के तहत जसवंतनगर विधानसभा सीट भी आती है। इस सीट से शिवपाल सिंह यादव विधायक हैं। शिवपाल सिंह और अखिलेश के बीच की तल्खी सभी को मालूम है। वहीं, मुलायम की छोटी बहू अपर्णा भी अब भाजपा में हैं। इसका नुकसान डिंपल को उठाना पड़ सकता है। हालांकि, सोमवार को सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने जरूर कहा कि शिवपाल यादव से बात करने के बाद ही डिंपल को मैनपुरी से उतारा गया है। सपा का उम्मीद है कि मुलायम सिंह यादव के निधन की सहानुभूति डिंपल को मिल सकती है। डिंपल मुलायम के नाम पर ही ये चुनाव लड़ने वाली हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने नामांकन दाखिल करने से पहले ही कर दी। नामांकन करने के लिए जाते समय डिंपल और अखिलेश यादव पहले अपने मुलायम सिंह यादव की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे।

मैनपुरी में डिंपल यादव के खिलाफ रघुराज सिंह शाक्य

बीजेपी ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए रघुराज सिंह शाक्य को उम्मीदवार बनाया है। जबकि रामपुर से आकाश सक्सेना पर भरोसा जताया है। वहीं, खतौली सीट से भाजपा के विधायक रहे विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी को उम्मीदवार बनाया गया है। बता दें कि सपा की प्रत्याशी डिंपल यादव को टक्कर देने वाले भाजपा के रघुराज शाक्य की गिनती प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव के करीबी के रूप में होती है। इसी साल फरवरी में रघुराज शाक्य ने प्रसपा छोड़ दी और बीजेपी का दामन थाम लिया था। इससे पहले सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव सीट पर अपना नामांकन दाखिल किया है। इसी बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि उपचुनाव में हम तीनों सीट जीतेंगे। मैनपुरी में नेताजी की यादें हैं, मगर वहां अखिलेश को सहानभूति नहीं मिलेगी। क्योंकि मैनपुरी ही नहीं, प्रदेश की जनता भाजपा के कामों से खुश है। बता दें कि रघुराज दो बार सांसद रह चुके हैं। भाजपा में शामिल होने से पहले रघुराज शाक्य, प्रसपा के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर थे। रघुराज शाक्य 1999 और 2004 में समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर इटावा से सांसद चुने गए थे। उन्होंने 2012 में सपा के टिकट पर इटावा सदर सीट से विधानसभा का चुनाव भी जीता था। रघुराज शाक्य ने 27 जनवरी 2017 को सपा से इस्तीफा दे दिया था।

पुरानी हार का भी पड़ेगा असर

डिंपल यादव ने 2009 में पहली बार चुनाव लड़ा था। उस वक्त अखिलेश यादव के इस्तीफे से खाली हुई फिरोजाबाद सीट पर उपचुनाव हुए थे। इस उपचुनाव में उन्हें कांग्रेस के राजबब्बर से हार मिली थी। 2012 में जब अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने कन्नौज लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। इस सीट पर हुए उपचुनाव में डिंपल निर्विरोध जीतीं थीं। भाजपा समेत किसी भी दल ने अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा किया था। इसके बाद 2014 में भी इस सीट पर डिंपल की मामूली मतों के अंतर से जीत हुई। हालांकि 2019 में कन्नौज सीट पर भाजपा के सुब्रत पाठक ने उन्हें मात दे दी। इसका असर भी इस चुनाव में देखने को मिल सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गुजरात चुनाव में आप की उपस्थिति एक बड़ी चुनौती

गुजरात चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए आप की उपस्थिति एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। नतीजतन, कई बागी नेताओं को आप ने टिकट दिये हैं। निश्चित ही ये बागी अपनी पूर्व पार्टी का नुकसान करेंगे। आप मुकाबले को तिकोना बना रही है। सबकी नजरें इस बात पर हैं कि यह पार्टी भाजपा और कांग्रेस में से किसके कितने वोट काटती है। कांग्रेस का जोर इस बार रैलियों और आम सभाओं के बजाय डोर टु डोर चुनाव अभियान पर है और उसका दावा है कि यह फलित होगा। मगर बीजेपी के पक्ष में सबसे बड़ी चीज है उसकी मजबूत चुनाव मशीनरी, दूसरी प्रधानमंत्री मोदी की सर्वप्रिय छवि और तीसरा गृहमंत्री अमित शाह का करिश्माई चुनावी प्रबन्धन एवं प्रभाव। किसी दौर में भले ही कांग्रेस यहां मजबूत दल हुआ करती थी, लेकिन अब वह काफी कमजोर लग रही है। इसलिये आप को जो भी मजबूती मिलेगी, वह कांग्रेस की कमजोर होती स्थितियों से ही मिलेगी। जाहिर है, कांग्रेस के लिए यहां दोतरफा संघर्ष है। एक तरफ उसे भाजपा से लड़ना है, तो दूसरी तरफ, आप से मिल रही चुनौतियों से पार पाना होगा। बावजूद इसके उसकी चाल सुस्त दिख रही है। इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। भाजपा के कुछ वोट टूटते भी हैं तो वे आप एवं कांग्रेस में बंट जायेंगे। त्रिकोणीय चुनावी संघर्ष की स्थिति में असली फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

यह चुनाव केवल दलों के भाग्य का ही निर्णय नहीं करेगा, बल्कि उद्योग, व्यापार, रोजगार आदि नीतियों तथा प्रदेश की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग जाति का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, रोजगार, आदिवासी समुदाय व व्यापार व्यापक रूप से उभर कर आए हैं। मोदी ने गुजरात को एक नई पहचान एवं विकास की तीव्र गति दी हैं, इसकी निरन्तरता जरूरी है। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे। गुजरात के राजनीतिक हालात को देखा जाए तो मीडिया में जरूर इस बात की संभावना जताई जा रही है कि आम आदमी पार्टी गुजरात में कुछ बड़ा कर सकती है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। भाजपा वहां 27 सालों से सत्ता में है और उसे पता है कि हमें कैसे चुनावी बाजी जितनी है। केजरीवाल दावा कर रहे हैं कि यहां लोग आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी की ओर से सीएम कैंडिडेट की भी घोषणा की जा चुकी है। लेकिन, उत्तराखंड और गोवा में भी केजरीवाल की ओर से सीएम कैंडिडेट का ऐलान किया गया था। लेकिन जनता को यह रास नहीं आया। ऐसे में गुजरात में केजरीवाल के पक्ष में बहुत कुछ जा सकता है। इसकी संभावनाएं बेहद कम है।

कांग्रेस के लिए यहां दोतरफा संघर्ष है। एक तरफ उसे भाजपा से लड़ना है, तो दूसरी तरफ, आप से मिल रही चुनौतियों से पार पाना होगा। बावजूद इसके उसकी चाल सुस्त दिख रही है। इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। भाजपा के कुछ वोट टूटते भी हैं तो वे आप एवं कांग्रेस में बंट जायेंगे। त्रिकोणीय चुनावी संघर्ष की स्थिति में असली फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर

ललित गर्ग

किसी भी राष्ट्र एवं प्रांत के जीवन में चुनाव सबसे महत्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं, अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाती है। गुजरात की जनता इन चुनावों में किसको तिलक करेगी, यह भविष्य के गर्भ में है। भले ही 1995 से ही भाजपा लगातार मजबूती से चुनाव जीतती रही है, क्या इस बार भी वह यह इतिहास दोहरायेगी? कांग्रेस यहां सफल एवं सक्षम प्रतिद्वंद्वी रही है, पिछली बार सत्ता के करीब पहुंचने में वह एक बार फिर चुकी थी, क्या इस बार वह ऐसा कर पायेगी? आम आदमी पार्टी दिल्ली जैसा कोई चमत्कार घटित कर पायेगी? इन सवालों के बीच मुख्य टक्कर तो इस बार भी भाजपा एवं कांग्रेस के बीच है, तीसरे मजबूत दल के अभाव को दूर करते हुए आम आदमी पार्टी अपनी उपस्थिति से भाजपा एवं कांग्रेस दोनों को ही कड़ी टक्कर दे रही है। दोनों ही दलों की इस बार राह कुछ ज्यादा कठिन जान पड़ती है, क्योंकि आप की सफल दस्तक से यहां का चुनावी समीकरण बदलता दिख रहा है, यह चुनाव त्रिकोणात्मक होता दिख रहा है। आप नेता अरविंद केजरीवाल कई महीनों से उग्र प्रचार कर रहे हैं, जिसका असर भी दिखने लगा है। झाड़ू लोगों का भरोसा जीत पाएगी या नहीं, यह कह पाना मुश्किल है। इस बार का चुनाव मजेदार होने के साथ संघर्षपूर्ण होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। चुनावों का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार की नकेल डाली जा सकती है। लोगों का विश्वास जीता जा सकता है। सुशासन स्थापित किया जा सकता है। 182 विधानसभा सीटों की यह विधानसभा क्या एक बार फिर भाजपा को सत्ता पर बिठायेगी? यह प्रश्न राजनीतिक गलियारों में सर्वाधिक चर्चा में है। भले ही त्रिकोणात्मक परिदृश्यों में भाजपा की राह भी संघर्षपूर्ण बन गयी है। क्योंकि इस बार के चुनाव नये परिवेश एवं नवीन स्थितियों के बीच त्रिकोणीय होंगे। यहां के पिछले उप-चुनाव भी त्रिकोणीय संघर्ष के संकेत दे रहे हैं। मगर इस संघर्ष में एक तरफ भाजपा है, तो दूसरी तरफ आप और कांग्रेस। मौजूदा स्थिति यही उजागर कर रही है कि यहां भाजपा व दूसरी पार्टियों के बीच सीधा मुकाबला है। यहां के मतदाता भाजपा, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं। इसीलिए नजर इस बात पर

होगी कि गुजरात चुनावों में दूसरे और तीसरे पायदान पर कौन-सी पार्टी कब्जा करती है? भले ही स्थानीय निकाय के चुनावों में, खासकर सूरत के इलाकों में आप ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उसे नई ऊर्जा मिली है, मगर यह जोश जीत में कितना बदल पाएगा, इस बारे में अभी कुछ भी कहना मुश्किल है।

पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा ने ढाई फीसदी वोट प्रतिशत का इजाफा करते हुए 41.4 प्रतिशत वोट के साथ स्पष्ट बहुमत से 7 सीटें अधिक लेकर 99 सीटें हासिल की एवं सरकार बनायी। उस समय भी मोदी के ही जादू ने असर दिखाया, जादू तो इस बार भी मोदी ही दिखायेंगे। लेकिन एक प्रभावी नेतृत्व एवं आपसी फूट के कारण भाजपा की स्थिति जटिल होती जा रही है। गुजरात में आदिवासी मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, आदिवासी समुदाय के मुद्दों की उपेक्षा एवं आदिवासी नेताओं की उदासीनता के कारण इस बार भी यह समुदाय नाराज दिख रहा है। सीटों के बंटवारे के समय उचित एवं प्रभावी उम्मीदवारों का चयन करके इस नाराजगी को दूर किया जा सकता है। आदिवासी समुदाय ऐसा उम्मीदवार चाहता है जो उनके हितों की रक्षा करें एवं आदिवासी जीवन को उन्नत बनाये। इन दिनों आदिवासी संत गणि राजेंद्र विजयजी का नाम भी उम्मीदवारों की सूची में होने की चर्चा है। ऐसे ही उम्मीदवारों से आदिवासी समुदाय के वोटों को प्रभावित किया जा सकता है। गुजरात चुनाव में मुद्दे तो बहुत से हैं। मुख्य मुद्दा तो मोरबी में हुआ पुल हादसा बन सकता है। जाहिर है, विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बनाकर भाजपा पर तीखे वार करेगा। यहां आम मतदाताओं में सत्तारुढ़ दल के प्रति कुछ असंतोष दिखाई देता है। खासकर पेंशन योजना को लेकर, क्योंकि यहां सरकारी कर्मचारियों की संख्या काफी ज्यादा है, जो चुनाव में तुलनात्मक रूप से कहीं ज्यादा असरकारक होते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में यहां सरकारी कर्मचारियों के मूड को भांपने का प्रयास किया जाता है। नाराज कर्मचारियों एवं उपेक्षित आदिवासी समुदाय- इन दो मुद्दों पर सकारात्मक सोच से भाजपा अपनी कमजोर जड़ों की काट कर सकती है। अब तो चुनावी टिकटों का बंटवारा ही एकमात्र हल है। भाजपा ने इसके खिलाफ भी कमर कस ली है। उसने करीब एक-तिहाई मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है और नए चेहरों पर भरोसा किया है। एक और प्रभावी कोशिश में उसने करीब एक साल पहले यहां का पूरा मंत्रिमंडल बदल दिया था। यहां तक कि नए मुख्यमंत्री की भी ताजपोशी की गई थी।

समान नागरिक संहिता टुकड़ों में क्यों देना चाहती है भाजपा

अजय कुमार

देश जब समान रूप से प्रगति और विचारों के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है तो इसका असर समान रूप से समाज पर भी दिखना चाहिए। सबको एक जैसे अधिकार मिलें तो उनकी जिम्मेदारी भी एक जैसी हो। सरकार का यह कर्तव्य है कि वह देश के सभी नागरिकों को एक ही 'चश्मे' से देखे। इसके लिए जरूरी है कि सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून बने, इसके लिए समान नागरिक संहिता से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी जिसकी केंद्र से लेकर कई राज्यों में सरकारें हैं, वह स्वयं और उसके मेंटर समझा जाने वाला राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यानि आरएसएस भी समान नागरिक संहिता की वकालत लम्बे समय से करता चला आ रहा है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि बीजेपी की राज्य सरकारें तो समान नागरिक संहिता के मामले में आगे आ रही हैं, लेकिन केन्द्र की मोदी सरकार इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है। इसको लेकर सर्वोच्च अदालत भी खुश नहीं है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के लिए जारी घोषणा पत्र में फिर से सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया है। कुछ इसी तरह की पहल चुनाव का सामना करने जा रही गुजरात सरकार ने भी की है। उसने एक समिति गठित कर राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भी समान नागरिक संहिता के पक्ष में खड़ी है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी के दोबारा सत्ता में आने के बाद प्रदेश में समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढ़ाये जा रहे हैं। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कहते हैं कि देश को अब इसकी जरूरत है। पूरे देश में एक कानून लागू किया जाए। उनका कहना है कि पहले की सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस पर ध्यान नहीं दिया। समान नागरिक संहिता कानून बनाने के मामले में उत्तराखंड सरकार की तेजी भी देखने लायक है। वह कहती कुछ है और करती कुछ है। कायदे से अब उत्तराखंड सरकार को इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। उसे कम से कम इतना तो करना ही चाहिए था कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता का कोई प्रारूप सामने लाए, जिससे उस पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया तेज हो सके।

बहरहाल, कुछ लोगों को लगता है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करना जरूरी हो तो इसके लिए केन्द्र को आगे आकर कानून बनाना चाहिए। क्योंकि समान नागरिक संहिता तो सारे देश में लागू करने की आवश्यकता है। यह आवश्यकता इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि विवाह, संबंध विच्छेद, उत्तराधिकार आदि के मामले में एक देश-विभिन्न विधान वाली स्थिति है। इस विसंगति का निवारण तभी हो सकता है, जब पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू हो, लेकिन यह इतना आसान नहीं लग रहा है। सब जानते हैं कि बीजेपी की राज्य सरकारों को छोड़कर अन्य राज्यों की गैर बीजेपी सरकारें राजनीतिक फायदे के लिए समान नागरिक संहिता का विरोध करती रहती हैं। यह भी तय है कि मोदी सरकार यदि ऐसा कोई कानून लाती है तो पश्चिम बंगाल, बिहार, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश की गैर बीजेपी/गैर कांग्रेसी सरकारें तो इसका विरोध करेंगी ही राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़ की कांग्रेस गठबंधन वाली सरकारें भी इस कानून में रोड़ा फंसाने से बाज नहीं आयेंगी, इसीलिए मोदी सरकार समान नागरिक संहिता कानून को लेकर बैकफुट पर नजर आ रही है। कई मुस्लिम संगठन भी ऐसे किसी कानून की मुखालफत किए जाने की बात कर रहे हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम बोर्ड के महासचिव हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी कहते हैं कि भारत के संविधान के तहत देश के प्रत्येक नागरिक को उसके धर्म के अनुसार जीवन व्यतीत करने की अनुमति है। इसे मौलिक अधिकारों में शामिल रखा गया है। इसी अधिकारों के अंतर्गत अल्पसंख्यकों और आदिवासी वर्गों के लिए उनकी इच्छा और परंपराओं के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ रखे गए हैं, जिससे देश को कोई क्षति नहीं होती है, बल्कि यह आपसी एकता एवं बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक के बीच आपसी विश्वास बनाए रखने में मदद करता है। कुछ माह पूर्व बोर्ड द्वारा जारी पत्र में भी कहा गया था कि उत्तराखंड, यूपी या केंद्र सरकार की ओर से समान नागरिक संहिता का राग अलापना असामयिक बयानबाजी के अतिरिक्त कुछनहीं है। पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव ने इसे बढ़ती महंगाई, गिरती अर्थव्यवस्था और बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने और घृणा के एजेंडे को बढ़ावा देने का प्रयास बताया था। पत्र के जरिए बोर्ड ने कहा कि यह अल्पसंख्यक विरोधी और संविधान विरोधी कदम है और मुसलमानों के लिए यह बिल्कुल स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि बोर्ड इसकी कड़ी निंदा करता है साथ ही सरकार से ऐसे कार्यों से परहेज करने की अपील करता है। खैर, इस प्रश्न का उत्तर सामने आना ही चाहिए कि जब भाजपा शासित राज्य सरकारें समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम उठा रही हैं, तब केंद्र सरकार खुल कर अपना पक्ष क्यों नहीं रख रही है? तो इसका जवाब भी केन्द्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दिए गए एक हलफनामे से मिल गया है। केंद्र ने 18 अक्टूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह संसद को देश में समान नागरिक संहिता कानून बनाने या उसे लागू करने का निर्देश नहीं दे सकता है।

कम बजट में भी कर सकते हैं इन देशों की

विदेश यात्रा

विदेश यात्रा करने का हर किसी का सपना होता है, लेकिन कई लोगों के लिए बजट एक बड़ी समस्या होती है। बजट की कमी के कारण वे फॉरेन ट्रिप का सपना देखना छोड़ देते हैं। हालांकि अगर आपके पास पासपोर्ट है और आप दुनिया की सैर करना चाहते हैं तो हमारे देश के आसपास ही कई ऐसे देश हैं जो अपनी खूबसूरती और खास कल्चरल डायवर्सिटी की वजह से दुनिया भर के सैलानियों का फेवरेट डेस्टिनेशन बने हुए हैं। इन जगहों तक पहुंचने के लिए आपको भी अधिक खर्च नहीं करना पड़ेगा और वीजा के लिए अधिक मशक्कत की जरूरत नहीं होगी। तो आइए जानते हैं कि भारत से किस देश की यात्रा बजट फ्रेंडली हो सकती है और आप यहां वेकेशन एन्जॉय कर सकते हैं।

ये जगह एडवेंचर से भरपूर हैं, जहां आप परिवार के साथ जा सकते हैं

दिसंबर के महीने में ये डेस्टिनेशंस और भी ज्यादा खास हो जाती हैं

नेपाल

नेपाल एक बहुत ही बजट फ्रेंडली देश है जहां जाने के लिए भारतीयों को वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। बर्फ की चादर से ढंका ये हिमालयन देश खूबसूरत मंदिर, एवरेस्ट की चाटियों, हिल स्टेशन, बर्दिया नेशनल पार्क, पाटन बोघनाथ स्तूप, गार्डन ऑफ ड्रीम्स और विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर के लिए दुनियाभर में काफी जाना जाता है। यहां भी आप अक्टूबर से दिसंबर तक ट्रैवल का मजा ले सकते हैं।

भूटान

अगर आप एडवेंचर और नेचर लवर हैं तो आप पूर्वी हिमायन एरिया में मौजूद छोटे से देश भूटान की यात्रा का प्लान बनाएं। प्रकृति के गोद में बसा यह पड़ोसी देश अपने शुद्ध पर्यावरण और खुशहाल लोगों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। आप यहां काफी किफायती दाम में रहने, खाने, यात्रा का खर्च निकाल सकते हैं। यहां जाएं तो करन कीचु लखांग, पारो, टाइगर नेस्ट और बौद्ध मठ का दीदार जरूर करें। यहां अक्टूबर से दिसंबर के महीने में यात्रा बेस्ट माना जाता है।

थाईलैंड

थाईलैंड भी एक बजट फ्रेंडली कंट्री है जहां आप समुद्री बीच, खूबसूरत मार्केट, ऐतिहासिक स्थल आदि का आनंद उठा सकते हैं। यहां दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर यानी अंकोरवाट का मंदिर है जिसे देखने के लिए हिंदू समुदाय के लोग भारी संख्या में पहुंचते हैं। यहां आप टू व्हीलर रेंट कर एरिया को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

श्रीलंका

दक्षिण एशिया का ये देश अपनी रिच संस्कृति, समुद्री बीच और समुद्री भोजन के लिए विख्यात है। यह देश भी हमारे लिए बजट फ्रेंडली है। यहां आप वॉटर स्पोर्ट्स का आनंद उठा सकते हैं। यहां जाने का बेस्ट टाइम दिसंबर से मार्च तक है। यहां आप रोज 1000 रुपये खर्च कर रह सकते हैं। यहां आप कोलंबो, कैन्डी, यापुहवा रॉक किला, जाफना किला, श्री महाबोधि स्थल, सिगिरिया रॉक किला आदि घूम सकते हैं।

ओमान

अगर आप पर्शियन गल्फ की यात्रा करना चाहते हैं तो आप अपने बजट में ओमान की यात्रा कर सकते हैं। यह युनाइटेड अरब इमरात, यमन और सउदी अरेबिया के बीच स्थित है। यहां आप सन सेट, खूबसूरत बीच, वाइल्ड लाइफ, इतिहास को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां रोजाना रहने का खर्च 2000 रुपये से शुरू होता है। यहां आप अक्टूबर से अप्रैल के बीच जरूर यात्रा करें।

हंसना मना है

टीटू: आपने नर्स बहुत अच्छी रखी है, उसके हाथ लगाते ही में ठीक हो गया: डॉक्टर: मैं जानता हूं। थप्पड़ की आवाज बाहर तक आई थी।

दो महिलाएं बात कर रही थीं। पहली बोली (चिंकी): बहुत साल पहले एक बाबा ने कहा था कि भगवान तुझे इतना देगा कि संभाला नहीं जाएगा! दूसरी महिला: तो क्या हुआ? पहली महिला (चिंकी): अब पता चला वो वजन की बात कर रहा था।

टीचर: क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए? मोटू: क्योंकि पता नहीं एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाए। टीचर की बोलती हो गई बंद!

टीचर राजू से : बताओ संसार का सबसे पुराना जीव कौन सा है? मोहन: जेबरा टीचर: वो कैसे? मोहन: वो ब्लैक एंड व्हाइट है न। टीचर की बोलती हुई बंद!

मिंकू: तुम खाली पेट कितने सेब खा सकते हो? पिंटू: मैं 6 सेब खा सकता हूं। मिंकू: गलत, तुम सिर्फ 1 सेब खा सकते हो, क्योंकि जब तुम दूसरा खाओगे तो तुम्हारा पेट खाली नहीं होगा। पिंटू: Wow superb joke।।। मैं अपने दोस्तों को सुनाऊंगा।

कहानी — किसान और दो घड़े

एक गाँव में एक किसान रहता था। वह रोज सुबह-सुबह उठकर दूर झरने से साफ पानी लेने जाया करता था। इस काम के लिए वह अपने साथ दो बड़े घ? ले जाया करता था। जिन्हें वह एक डण्डे में बाँधकर अपने कन्धे पर दोनों तरफ लटका कर लाया करता था।उनमें से एक घड़ा कहीं से थोड़ा-सा फूटा था और दूसरा एकदम सही। इसी वजह से रोज़ घर पहुँचते-पहुँचते किसान के पास डेढ़ घड़ा ही पानी बच पाता था। ऐसा होना नई बात नहीं थी इसको दो साल बीत चुके थे। सही घड़े को इस बात का बहुत घमण्ड था, उसे लगता था कि वह पूरा का पूरा पानी घर पहुँचता है और उसके अन्दर कोई भी कमी नहीं है। वहीं दूसरी तरफ फूटा हुआ घड़ा इस बात से बहुत शर्मिंदा रहता था कि वह आधा पानी ही घर पहुँचा पाता है और किसान की मेहनत बेकार चली जाती है। एक दिन की बात है वह बहुत दु:खी और उदास था जब परेशानी हद से बढ़ गई तो उसने फैसला किया कि वह किसान से माफी माँगेगा। किसान से बोला मैं बहुत शर्मिंदा हूँ, मैं आपसे माफी माँगना चाहता हूँ तो किसान ने पूछा भाई तुम किस बात से शर्मिंदा हो छोटे घड़े ने दु:खी होते हुए कहा शायद आप नहीं जानते हैं, मैं एक जगह से फुटा हुआ हूँ। पिछले दो सालों से मुझे जितना पानी पहुँचाना चाहिए था मैं सिर्फ उसका आधा ही पहुँचा पाया हूँ। मेरे अन्दर यह बहुत बड़ी कमी है। इस वजह से आपकी मेहनत बर्बाद होती रही हैं। किसान को घड़े की बात सुनकर बहुत दुख हुआ और बोला इतना परेशान होना भी ठीक नहीं है। चलो तुम्हारी उदासी दूर करते हैं, एक काम करना कल जब तुम रास्ते से लौटो तो अपने टपकते पानी पर दुख करने के बजाय उस रास्ते में खिले हुए फूलों को देखना कितने खुशबूदार, कितने खूबसूरत, कितने प्यारे और साथ ही पास में छोटे-छोटे पौधे देखना। घड़े ने किसान की बातें मनाने का फैसला किया। रास्ते भर सुन्दर फूलों का देखता हुआ आया। ऐसा करने से उसकी उदासी थोड़ा कम हुई, पर घर पहुँचते-पहुँचते उसके अन्दर से आधा पानी गिर चुका था। वह फिर से मायूस हो गया और किसान से क्षमा माँगने लगा। किसान बोला शायद तुमने रास्ते पर ध्यान नहीं दिया। रास्ते में जितने भी फूल थे, बस तुम्हारी तरफ ही थे। सही घड़े की तरफ एक भी फूल नहीं थे। जानते हो ऐसा क्यों, क्योंकि मैं हमेशा से तुम्हारे अन्दर की कमी को जानता था, मैंने उसका लाभ उठाया। मैंने तुम्हारी तरफ वाले रास्ते पर रंग बिरंगे फूलों के बीज बो दिये थे। तुम थोड़ा-थोड़ा करके सींचते रहें और पूरे रास्ते को इतना खूबसूरत बना दिया। आज तुम्हारी ही वजह से मैं इन फूलों को भगवान को अर्पित कर पाता हूँ, अपना घर सुन्दर बना पाता हूँ। तुम ही सोचो अगर तुम जैसे हो ऐसे ना होते तो भला क्या मैं यह सब कुछ कर पाता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सिंगल लोगो की सोशल मीडिया पर किसी के साथ सकारात्मक बातचीत तो शुरू होगी लेकिन वह किसी कारणवश बंद भी हो जाएगी। ऐसे में पहले से ही सतर्कता बरतें तो अच्छा रहेगा।

वृषभ

सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन थोड़ा आपाधापी से भरा होगा जिससे उन्हें अत्यधिक काम करना होगा। ऐसे में परिवार के लिए समय बहुत कम निकल पायेगा।

मिथुन

यदि आपको पहले से ही कोई गंभीर बीमारी है तो डॉक्टर के संपर्क में रहे अन्यथा यह अचानक से बढ़ सकती है। घर के किसी काम से बाहर जाना हो तो पूरी सावधानी बरते।

कर्क

परिवार का कोई सदस्य बेवजह आपके जीवन में दखल देने का प्रयास करेगा। ऐसे में यदि आपने संयम और चतुराई से काम नहीं लिया तो वे आपका फायदा भी उठा सकते है।

सिंह

कोई बात मन ही मन परेशान कर सकती है। इसकी वजह से मन बेचैन रहने की संभावना है। ऐसे में अपने व्यवहार को मृदु रखें अन्यथा बेचैनी बढ़ जाएगी।

कन्या

विवाहित लोगों के लिए आज का दिन उत्तम सिद्ध होगा खासकर गृहिणियों के लिए। उन्हें अपने पति से कोई उपहार या नयी चीज मिल सकती है जिससे दोनों के बीच प्रेम और बढ़ेगा।

तुला

आज का दिन परिवार के सदस्यों में आपसी मेलझोल बढ़ाने वाला होगा। आपको अपने भाई व बहनों की ओर से मुख्यतया सहयोग मिलेगा जो आपकी तरक्की में सहायक होगा।

वृश्चिक

शिक्षा की दृष्टि से आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण होगा व सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। आप अपनी शिक्षा को लेकर तनाव का शिकार भी हो सकते हैं।

धनु

प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों को आज के दिन थोड़ा आराम अवश्य मिलेगा लेकिन उन्हें अपने ऑफिस की राजनीति से बचकर रहना चाहिए अन्यथा यह उनके लिए ही मुसीबत खड़ी कर सकता हैं।

मकर

परिवार के सदस्यों का झुकाव अध्यात्म की ओर ज्यादा होगा व घर में कोई धार्मिक आयोजन होने की भी संभावना है। घर पर रिश्तेदारों का भी आना-जाना लगा रहेगा।

कुम्भ

पेट से संबंधित कुछ समस्याएं हो सकती है जैसे कि उल्टी, दस्त, कब्ज, गैस बनना इत्यादि। इसलिये खानपान का विशेष ध्यान रखे व बाहर का खाना खाने से बचे।

मीन

आज का दिन व्यापार की दृष्टि से उत्तम रहेगा व आपको नए-नए विचार भी आयेंगे। इन्हीं के आधार पर आप अपना कुछ नया काम शुरू करने का विचार भी कर सकते हैं।

छोटा पर्दा | मन की बात

दोनों शादियों से नहीं मिला वो सुख जिसकी हमेशा थी तलाश : विद्या

विद्या सिन्हा के तमाम फैंस आज भी उन्हें रजनीगंधा नाम से ही जानते हैं। विद्या सिन्हा ने अपनी अदाकारी से इस किरदार में जान फूंक दी थी। विद्या की वो मासूम आंखें और उनका भोलापन करोड़ों दिलों को कायल कर गया। आज 15 नवंबर को विद्या सिन्हा की बर्थ एनिवर्सरी है। 15 नवंबर साल 1947 को जन्मीं विद्या सिन्हा ने कई सालों तक हमारा मनोरंजन किया लेकिन फिर अचानक उन्होंने इस इंडस्ट्री को छोड़ने का मन बना लिया। पर्दे पर बेहद मासूम सी दिखने वाली विद्या सिन्हा की निजी जिंदगी में कई भूचाल आते रहे जिनके बारे में कई बार उनके फैंस को पता भी नहीं होता था। विद्या अपनी बेटी को बहुत प्यार करती थीं और उसकी चिंताएं उन्हें हर वक्त खाए जाती थीं। महज 18 साल की उम्र में ब्यूटी कॉम्पटीशन जीतने वाली विद्या ने चंद फिल्में करने के बाद शादी कर ली थी। साल 1976 में वैंकटेश्वर अय्यर से शादी करने वाली विद्या ने कुल 30 फिल्में करने के बाद इंडस्ट्री को अलविदा कहा और वैवाहिक जीवन को स्वीकार किया। 1990 में उनकी आखिरी फिल्म आई जिसका नाम स्वयंवर था। विद्या ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि वह बहुत महत्वाकांक्षी नहीं थीं। उन्होंने कहा कि वह इंडस्ट्री में आते वक्त उनका कोई प्लान नहीं था, वह बस एक फैमिली प्लान करना चाहती थीं। विद्या की प्रोफेशनल लाइफ में खास महत्वाकांक्षाएं भले न रही हों, लेकिन पर्सनल लाइफ को लेकर उनके ढेरों सपने थे। हालांकि नियति को शायद कुछ और ही मंजूर था। उनके पहले पति वैंकटेश्वर काफी बीमार रहते थे और साल 1996 में मौत हो गई थी। 2001 में विद्या सिन्हा ने नेताजी भीमाराव सालुंखे से शादी की लेकिन यह शादी भी ठीक नहीं चली।

इंटरनेशनल डेब्यू को तैयार ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा ने अक्टूबर में लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड अली फजल से शादी कर ली। शादी के एक महीने बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों की स्क्रिप्ट फाइनल करना भी शुरू कर दिया है। शादी के बाद ऋचा चड्ढा फिर से फिल्मी दुनिया में लौट रही हैं, लेकिन इस बार शुरुआत सिर्फ बॉलीवुड से नहीं, बल्कि हॉलीवुड की फिल्म से भी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋचा चड्ढा इंटरनेशनल सिनेमा में अपनी एक्टिंग स्किल्स दिखाने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ब्रिटिश डायरेक्टर की फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करेंगी। ऋचा चड्ढा अपनी पहली इंटरनेशनल फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। मीडिया हाउस से बातचीत में उन्होंने कहा, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन हां, मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी है और तय किया कि इसके लिए हामी भर दूं। कहानी बहुत अच्छी है और मुझे मेरा कैरेक्टर पसंद आया। यह देख कर बहुत अच्छा लगता है कि इंडियन एक्टर्स के लिए इंटरनेशनल प्रोडक्शन्स में इंडियन एक्टर्स के लिए महत्वपूर्ण किरदार लिखे जाते हैं। बता दें कि इससे पहले ऋचा ने लव सोनिया में एक्टिंग की थी, जिसका प्रोडक्शन डेविड वोमार्क ने किया था। फिल्म का निर्देशन इंडियन डायरेक्टर तबरेज नूरान ने किया था। यह ऋचा की पहली इंटरनेशनल फिल्म होगी, जिसमें वह लीड एक्ट्रेस के तौर पर दिखेंगी। ऋचा चड्ढा ने मसान, फुक्रे जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। इंडस्ट्री में लंबा सफर तय कर चुकी यह एक्ट्रेस फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म हीरा मंडी की शूटिंग में बिजी हैं। गर्ल्स विल बी गर्ल्स भी उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिसका निर्देशक शुचि तलाटी कर रही हैं।मूवी की शूटिंग देहरादून, उत्तराखंड, मसूरी में पूरी की जा रही है।

बॉलीवुड | मसाला

'गाता रहे मेरा दिल' गाने पर माधुरी संग तब्बू ने लगाये ठुमके

डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 10 के फिनाले में अब कुछ ही वक्त बचा है। शो को माधुरी दीक्षित, करण जौहर और नोरा फतेही जज कर रहे हैं। माधुरी दीक्षित सेट से वीडियोज शेयर करती रहती हैं। इस बार वह तब्बू के साथ डांस करती नजर आईं। झलक दिखला जा 10 के सेट पर दृश्यम 2 के कलाकार प्रमोशन के लिए पहुंचे। तब्बू के साथ अजय देवगन ने भी रियलिटी शो में फिल्म को प्रमोट किया। इसी दौरान माधुरी ने आइकॉनिक गाने गाता रहे मेरा दिल पर डांस किया। माधुरी दीक्षित ने ऑफ व्हाइट कलर का लहंगा पहना है जबकि तब्बू ग्लिटरी ब्लैक साड़ी में हैं। गाने पर दोनों के एक्सप्रेशंस कमाल के हैं। बैकग्राउंड में गाना चल रहा है और दोनों उस पर लिप सिंक कर रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए माधुरी दीक्षित ने कैप्शन दिया, सेट पर तब्बू के साथ बहुत अच्छा लगा। एक फैन ने वीडिया पर कमेंट किया, यही वजह है कि आपको एक्सप्रेशन क्वीन कहा जाता है। आपका और तब्बू का एक्सप्रेशन बिल्कुल अलग है। लव यू। एक फैन कहते हैं, दुनिया की सबसे खूबसूरत लेडी माधुरी दीक्षित मैम। एक ने लिखा, माधुरी मैम आपकी आंखें ही सब कुछ कह जाती हैं।

18 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म दृश्यम 2

दृश्यम 2 की बात करें तो फिल्म में अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरन, अक्षय कुमार और इशिता दत्ता हैं। फिल्म 18 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का पहला पार्ट 2015 में आया था और यह हिट रहा था।

बॉलीवुड | गपशप

अजब-गजब

गरीब किसानों की कर देता था हत्या

150 सालों से सुरक्षित रखा है सीरियल किलर का सिर

मिस्र के पिरामिडों के बारे में तो आपने पढ़ा और सुना ही होगा। जिनके बारे में कहा जाता है कि इनमें इंसानों के शवों को हजारों साल पहले सुरक्षित रखा गया था। जो आज भी सुरक्षित रखे हुए हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे सीरियल किलर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसका शव पिछले डेढ़ सौ से ज्यादा सालों से सुरक्षित रखा हुआ है। दरअसल, पुर्तगाल की यूनिवर्सिटी में डिओगो ऐल्वेस नाम के एक 'सीरियल किलर' का सिर करीब 155 सालों से प्रिजर्व है। बताया जाता है कि डिओगो ऐल्वेस नौकरी की तलाश में लिस्बन आया था लेकिन वह पुर्तगाल का सबसे खूंखार सीरियल किलर बन गया।

बता दें कि डिओगो ऐल्वेस का जन्म 1810 में स्पेन के गैलेसिया में हुआ था। जब वह जवान था तब काम की तलाश के लिए पुर्तगाल की लिस्बन सिटी आया था। डिओगो ने काफी समय तक काम की तलाश की, लेकिन उसे काम नहीं मिला। उसके बाद उसने क्राइम की दुनिया में कदम रख दिया। डिओगो ने सबसे पहले लूटपाट का रास्ता अपनाया, जिसके आसान शिकार किसान हुआ करते थे। इसके लिए डिओगो ने लिस्बन में एक नदी पर बने पुल को चुना, जिस पर से शाम के बाद अक्सर किसान अनाज-सब्जियां बेचकर अपने गांव लौटा करते थे। डिओगो जैसे ही किसी अकेले किसान को यहां से गुजरते देखता उसे लूट कर उसकी हत्या कर देता था। उसके बाद उसकी लाश पुल से नदी में फेंक देता था। इस तरह उसने तमाम किसानों की हत्या कर दी जब पुलिस के पास गायब हो रहे किसानों की खबर पहुंची तो उन्हें लगा कि

आर्थिक तंगी के कारण किसान सुसाइड कर रहे हैं। हालांकि, नदी से कुछ ऐसे शव मिले, जिनके शरीर पर धारदार हथियारों के निशान थे। इससे पुलिस को शक हो गया कि किसानों का मर्डर किया जा रहा है। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो डिओगो ने लूटपाट बंद कर दी और तीन साल तक अंडरग्राउंड हो गया। इसके बाद उसने फिर से लूटपाट शुरू कर दी। डिओगो समझ गया था कि अगर वह अकेला रहा तो बड़ी लूटपाट नहीं कर पाएगा और उसके पकड़े जाने का खतरा बना रहेगा। इसी के चलते उसने ऐसे लोगों को तलाशना शुरू कर दिया, जो बहुत गरीब थे। ऐसा करके उसने दर्जनों लोगों की गैंग बना ली और बड़ी-बड़ी वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया। डिओगो ने इसके लिए काफी मात्रा में हथियार भी खरीद लिए थे, जिससे कि वह पुलिस का भी सामना कर सके। करीब एक साल तक डिओगो ने दर्जनों लोगों को मौत के घाट उतारा। डिओगो विक्टिम को कभी जिंदा नहीं छोड़ता था। लिस्बन पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, उसे लोगों को क्रूरता से मारने में मजा आता था। पुलिस को डिओगो की गैंग के बारे में पता चल गया था, लेकिन वह अपनी गैंग के साथ दिन में अक्सर जंगल में छिपा रहता था। इसलिए पुलिस को उसकी लोकेशन का पता नहीं चल रहा था। इसी दौरान डिओगो ने अपनी गैंग के साथ लिस्बन के एक डॉक्टर के घर में धावा बोला। लूट के बाद उसने डॉक्टर का भी बेरहमी से कत्ल कर दिया और फरार हो गया। इस घटना के कुछ दिनों बाद पुलिस ने डिओगो को गिरफ्तार कर लिया। साल 1941 में उसे 70 से अधिक व्यक्तियों की क्रूर हत्या के आरोप में फांसी की सजा सुनाई गई। डिओगो को जब फांसी दी गई, तब पुर्तगाल में फ्रेनोलॉजी (मस्तिष्क विज्ञान) एक पापुलर सब्जेक्ट था। फ्रेनोलॉजी यानी की मस्तिष्क की उन कोशिकाओं की जांच करना, जिनसे इंसान के व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता था। इसके लिए साइंटिस्ट को इंसानी सिरों की तलाश रहती थी। इसी के चलते पुर्तगाल के साइंटिस्ट ने कोर्ट से डिओगो का सिर लेने की अपील की। इस तरह फांसी के बाद डिओगो का सिर काटकर प्रिजर्व कर दिया गया। हालांकि, उस दौरान साइंटिस्ट ने डिओगो के मस्तिष्क की जांच की, लेकिन वे उन कोशिकाओं की पहचान नहीं कर सके, जिससे डिओगो के व्यक्तित्व का पता लगाया जा सके। इसके चलते डिओगा का सिर हमेशा के लिए प्रिजर्व कर दिया गया, जो अब भी लिस्बन की यूनिवर्सिटी में रखा हुआ है।

क्या आप जानते हैं सांपों के बारे में ये अजीबोगरीब बातें ?

सांप का नाम सुनते ही हर कोई डर जाता है। दुनियाभर में सांपों की 2500 से अधित प्रजातियां पाई जाती हैं लेकिन इनमें से करीब 20 फीसदी प्रजातियां ही ऐसी होती हैं जो जहरीली होती हैं और इनके काटने से इंसान की मौत हो जाती है। हमारे देश में हजारों तरह की प्रजातियों के सांप पाए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि धरती पर सांपों का अस्तित्व 13 करोड़ साल से है। जो डायनासोर के युग के आसपास का माना जाता है। आपने भी कई तरह के सांप देखे होंगे लेकिन सांपों के बारे में कई बातें ऐसी हैं जिन्हें आप आजतक नहीं जान पाए होंगे। आज हम आपको सांपों से जुड़ी कुछ ऐसे ही रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं। ये बात तो आप जानते होंगे कि सांप अपनी चमड़ी उतारता है, लेकिन ये नहीं जानते होंगे कि आखिर सांप एक साल में कितनी बार अपनी केंचुली या चमड़ी उतारता है। बता दें कि सांप एक साल में तीन बार अपने पूरे शरीर की चमड़ी उतारता है। उसके बाद वह खुद को पहले से अधिक फुर्तीला और चुस्त-दुरुस्त महसूस करता है। बता दें कि हमारे देश में हर साल करीब ढाई लाख लोगों को सांप के डसने की खबर आती है जिनमें करीब पचास हजार लोगों की जान भी चली जाती है। बता दें कि सांप अपने शिकार को जिंदा निगल जाते हैं और वह किसी भी चीज को चबाकर नहीं खाते। यही नहीं सांप अपने मुंह के आकार से बड़े जानवरों को भी निगल जाता है। बता दें कि हरा एनाकोन्डा को दुनिया का सबसे वजन वाले सांप के रूप में जाना जाता है। इसका वजन 550 पाउंड तक हो सकता है। वहीं किंग कोबरा दुनिया का सबसे लंबा सांप होता है। इनकी औसतन लंबाई 18 फुट तक होती है। अफ्रीका में पाया जाने वाला अजगर सांप नीलगाय और हिरन जैसे जानवर को भी जिंदा निगल जाता है। जानकारी के मुताबिक पानी में रहने वाले सांपों की प्रजातियां सांस लेने के लिए अपनी चमड़ी का इस्तेमाल करते हैं। सांप अंटार्कटिका के अलावा दुनिया भर में पाए जाते हैं। ब्लैक माम्बा को दुनिया के सबसे जहरीला सांप माना जाता है जो अफ्रीका महाद्वीप में पाया जाता है। सांपों की करीब 70 फीसदी प्रजातियां अंडे देती हैं और तीस फीसदी बच्चे पैदा करते हैं।

ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता : राजनाथ सिंह

» रक्षा मंत्री बोले- मैंने कभी आश्वासन नहीं दिया, हमेशा काम किया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस बार लखनऊ के दौरे में मैंने पहले ही कहा था कि कोई बड़े कार्यक्रम न लगाए जाएं। मैं सौ दो सौ लोगों के साथ बैठक करना चाहता हूं और उनकी बातों को जानना चाहता हूं। क्योंकि हर बार आता हूं। बड़े कार्यक्रम में शामिल होकर दिल्ली चला जाता हूं। क्योंकि इस बार मैं लोगों से व्यक्तिगत मुखातिब होना चाहता था। भविष्य को लेकर चिंता कर रहा था क्योंकि लखनऊ में सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है और इस समस्या को लेकर मैंने 18 फ्लाई ओवर ब्रिज स्वीकृत कराए हैं, जिसमें 7 बन चुके हैं और तीन पर काम चल रहा है और बाकी प्रोसेस में है।

रक्षा मंत्री ने कहा, लखनऊ में आने वाले लोगों को अब 104 किलोमीटर की बन रही आउटर रिंग रोड से उसी मोहल्ले में उतरेगा। बीच में कहीं नहीं उतरना पड़ेगा। रेलवे एयरपोर्ट के लिए जो भी हो सकता था। उसे हमने करने की कोशिश की है। क्योंकि मैं डिफेंस मिनिस्टर हूं इसलिए लखनऊ में ब्रम्होस मिसाइल बनाने का कारखाना का काम चल रहा है, जिसमें अभी समय लगेगा। जिसका काम चल रहा है। मैंने सोचा था कि अगर ब्रम्होस मिसाइल बनेगी तो दिल्ली और लखनऊ में बनेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात राजाजीपुरम के क्षत्रिय लॉन में राजाजीपुरम आवासीय कल्याण समिति के जनसंवाद कायक्रम में कही। वहीं जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों के संवाद से पहले अभिवादन के दौरान आर्यसमाज प्रमुख डॉ. आनन्द बरनवाल का अभिनन्दन स्वीकार करने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मंच से नीचे उतर आए और उनको खुद ही माला पहनाकर अभिवादन किया। वहीं जनसंवाद में एसकेडी सिंह ने कहा कि राजाजीपुरम की आवागमन की व्यवस्था और बेहतर बनाने का सुझाव दिया और बिसारिया सेवा समिति के धुरेन्द्र स्वरूप बिसारिया ने कहा कि राजाजीपुरम में एक आडिटोरियम बनवा देंगे तो यहां की जनता के लिए बहुत अच्छा होगा। इसके साथ मध्यम वर्ग के व्यक्तियों के लिए इन्कमटैक्स में छूट दिलाने की बात कही। लोगों की समस्या के लिए आपको काम करना होगा। क्योंकि वह इंतजार नहीं कर सकते है।

पराली जलाने को लेकर किसानों को जागरूक करें अधिकारी : सीएम योगी

» विभागीय अधिकारियों को संवेदनशील गांवों में जाकर कैंप लगाने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में पराली जलाने से बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से होने वाले नुकसान के प्रति किसानों को जागरूक किया जाए। फसल अवशेषों को काटकर खेत में पानी लगाकर एवं यूरिया छिड़ककर खेत में ही पराली को गलाने का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

उन्होंने कहा कि संवेदनशील गांवों में जिला स्तरीय अधिकारियों को कैंप लगाकर पराली जलाने की घटनाओं पर रोकथाम के उपाया किए जाएं। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को ग्रामवार समन्वय स्थापित करने के लिए ड्यूटी लगायी जाएं। इस दौरान कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव देवेश चतुर्वेदी ने बताया कि हर जिले में पराली को गौशालाओं में पहुंचाया जा रहा है। सभी जनपदों में 'पराली दो, खाद लो' कार्यक्रम को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे इस बार पराली जलाने की घटनाएं कम हो सकें। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 16 वायोब्रिकेट और वायोकोल प्लान्ट स्थापित किए गए हैं। इन प्लांट्स पर भी पराली पहुंचाई जा रही है। कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ कटाई के साथ सुपर एसएमएस या फसल अवशेष प्रबंधन के अन्य कृषि यन्त्रों को अनिवार्य किया जाए।

बेलापरसुवां गांव को बेलरायां चौकी से जोड़े जाने की मांग

» अधिवक्ता व समाजसेवी हैदर रिजवी ने पुलिस महकमे को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। थारू जनजाति की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण को लेकर अधिवक्ता व समाजसेवी मोहम्मद हैदर रिजवी ने पुलिस महकमे को पत्र लिखा है। हैदर ने अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन व पुलिस अधीक्षक लखीमपुर को लिखे पत्र में बताया कि थारू जनजाति बाहुल्य ग्राम बेलापरसुवां को बेलरायां चौकी, थाना तिकुनिया से सम्बद्ध किया जाए। ताकि वहां के ग्रामीणों को असुविधाओं का सामना न करना पड़े।

हैदर ने आगे लिखा कि ग्राम बेलापरसुवां को कई दशकों से थाना चंदन चौकी से संबद्ध किया गया है, जिसकी वन मार्ग से दूरी लगभग 14 किमी है। यह मार्ग दुधवा राष्ट्रीय उद्यान कोर क्षेत्र में आता है, जिस कारण ग्रामवासियों को अनेक अवसरों पर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हर समय जंगली जानवरों का भय बना रहता है। यहां तक कि ग्रामीण समयबद्ध रूप से थाने को अपराध संबंधी सूचना भी नहीं दे पाते हैं। गांव में नेटवर्क की समस्या भी नगण्य है। ऐसे में विकल्प के रूप में उक्त ग्रामवासियों को चंदन चौकी पहुंचने के लिए दूसरा मार्ग से जाना पड़ता है, जिसकी दूरी लगभग 100 किमी है। थारू जनजाति के लोग पूर्ण रूप से कृषि व मजदूरी पर निर्भर है। ऐसे में ये लोग अपनी बात सरकार व पुलिस तक नहीं पहुंचा पाते। रिजवी ने कहा कि अगर थाना तिकुनिया चौकी को बेलरायां से संबद्ध कर दिया जाए तो हजारों ग्रामीणों की समस्याएं हल हो जाएंगी और क्षेत्र में अपराध पर भी नियंत्रण लगेगा। रिजवी ने राज्यमंत्री असीम अरूण से भी बेलापरसुवां के ग्रामीणों की समस्याएं सुलझाने व उनके तुरंत निस्तारण की मांग की है।

रालोद को झटका देकर अभिषेक चौधरी भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक चौधरी गुर्जर ने मंगलवार को रालोद को तगड़ा झटका देते हुए भाजपा का दामन थाम लिया। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के आवास पर मंगलवार रात अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मुजफ्फरनगर की खतौली सीट से रालोद के टिकट के दावेदार अभिषेक चौधरी मदन भैया को रालोद प्रत्याशी बनाये जाने से पार्टी नेतृत्व से नाराज हैं। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद अभिषेक चौधरी गुर्जर ने कहा कि रालोद अध्यक्ष अपनी पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं से कट चुके हैं। वह समर्पित कार्यकर्ताओं की कद्र नहीं करते हैं। इसलिए उनका यह हश्र है। उन्होंने कहा कि वह मोदी-योगी सरकारों के गरीब कल्याण के कार्यों और भाजपा के सेवा प्रकल्पों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। भाजपा की सदस्यता ग्रहण के मौके पर ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर, भाजपा के मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, मीडिया सह-प्रभारी हिमांशु दुबे मौजूद थे।

अगले मुख्यमंत्री भी भूपेंद्र पटेल ही होंगे : अमित शाह

» भूपेंद्र भाई पटेल के नेतृत्व में ही लड़ा जा रहा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमित शाह ने एक बार फिर गुजरात चुनाव में बीजेपी की रिकॉर्ड तोड़ जीत का दावा किया है। अमित शाह ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में बीजेपी सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी और सबसे ज्यादा सीटें जीतकर बहुमत से सरकार बनाएगी। पीएम मोदी और सीएम भूपेंद्र पटेल का नेतृत्व विकास कार्यों को गति दे रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि गुजरात की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है, राज्य की अर्थव्यवस्था बढ़ी है। गुजरात के दलितों, आदिवासियों और ओबीसी समुदाय के लिए पीएम मोदी के विकास मॉडल का पालन सीएम पटेल कर रहे हैं। इससे पहले बीते दिन अमित शाह ने कहा था कि बीजेपी ने गुजरात की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। कांग्रेस काल में गुजरात में साल में 250 दिन कर्फ्यू लगता था, वहीं बीजेपी के राज में लोग कर्फ्यू का नाम भी भूल गए। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में कानून-व्यवस्था की एक अभेद्य दीवार खड़ी करने का काम किया। साथ ही उन्होंने ये भी साफ किया कि गुजरात में भूपेंद्र पटेल ही सीएम उम्मीदवार हैं। शाह ने कहा था कि अगर गुजरात में बीजेपी को बहुमत मिलता है तो भूपेंद्र पटेल अगले मुख्यमंत्री होंगे। हम भूपेंद्र भाई पटेल के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहे हैं। गुजरात चुनाव के लिए बीजेपी अब तक 179 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। बता दें कि, गुजरात में दो चरणों में 1 दिसंबर और 5 दिसंबर को होने हैं। इसके बाद 8 दिसंबर को नतीजे आएंगे।

फोटो: सुमित कुमार

कैंडिल मार्च लखनऊ। दिल्ली में हुई श्रद्धा वाकर की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। श्रद्धा वाकर की निर्मम हत्या के न्याय की मांग को लेकर राजधानी में केडी सिंह बाबू स्टेडियम ने कैंडिल मार्च निकाला।

काव्य संग्रह प्रकृति और भावनाएं का विमोचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। काव्य संग्रह प्रकृति और भावनाएं के विमोचन और काव्य पाठ में कवियों ने अपनी कविताओं से काव्य प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम जसबीर कविता मंच में विशिष्ट अतिथि के तौर पर रहे मारवाह स्टूडियो के संस्थापक और मीडिया जगत का जाना माना नाम डा. संदीप मारवाह, कवियित्री रेणु हुसैन, कवि प्रेम भारद्वाज, कवियित्री उर्वशी अग्रवाल, कवि विकास यशकीर्ति, कवियित्री ज्योतिर्मया ठाकुर, नरेश मलिक, अंजु जैन और समाजसेविका मृदुला टंडन जिनकी कविताओं ने कार्यक्रम में रंग जमा दिया।

इस मौके पर प्रकृति और भावनाएं किताब की लेखिका डा. जसबीर कौर ने इसमें प्रकृति किस तरह भावनाओं से जुड़ी है और हर के ही जिन्दगी में असर डालती है इसका उल्लेख किया। जसवीर कौर दिल्ली की जानी मानी कवियित्री हैं, इन्होंने ही सन 2020 में कोरोना काल में जसबीर कविता मंच की स्थापना की। इसका साथ दिया इनकी बहन और जानी मानी कवियित्री डा. अमित कौर पुरी ने। इस कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन आकाशवाणी की जानी मानी उद्घोषिका अमिता कमल ने किया। इस आयोजन में देश विदेश से आए नामचीन कवियों ने शिरकत की। काव्य संग्रह प्रकृति और भावनाएं काव्य-संग्रह में 28 कवियों की कविताएं संग्रहित है।

24 के चुनाव में दिखेगा भारत जोड़ो यात्रा का असर, कांग्रेस हो रही मजबूत

राहुल गांधी को मिलेगा पायलट का साथ, यात्रा में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सचिन पायलट महाराष्ट्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे। सचिन पायलट ने पहले भी भारत जोड़ो यात्रा में शिरकत की थी। इससे पहले पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा का असर विधानसभा चुनावों में नहीं, बल्कि 2024 में होने वाले अगले संसदीय चुनावों में दिखाई देगा। इससे पहले राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा था कि भारत जोड़ो यात्रा एक ऐतिहासिक आंदोलन है, जिसका लाभ आने वाले दिनों में कांग्रेस को मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा था कि राहुल गांधी लोगों पर प्रभाव छोड़ रहे हैं। कांग्रेस समर्थक के अलावा आम लोग भी यात्रा को लेकर उत्साहित हैं। बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा दिसंबर के पहले सप्ताह में भारत जोड़ो झालावाड़ से राजस्थान में प्रवेश करेगी। जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का असर 2024 के लोकसभा चुनावों में दिखाई देगा, न कि

गुजरात और हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में दिखेगा। उन्होंने कहा आप पूछेंगे कि गुजरात या हिमाचल चुनाव पर क्या असर पड़ेगा। इस यात्रा का यहां कोई असर नहीं होगा। जयराम रमेश ने कहा भारत जोड़ो यात्रा का किसी वोट बैंक से कोई लेना-देना नहीं है। इसका मकसद राजनीति से अलग है। यह राजनीतिक चोरों के खिलाफ राजनीतिक लोगों की यात्रा है। उन्होंने कहा ये यात्रा एकजुटता को बढ़ावा देगी, इसने हमारी पार्टी को एकजुट किया है। इसका प्रभाव, यदि कही दिखेगा तो वह 2024 के लोकसभा चुनाव होंगे। बता दें कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। यह अगले साल कश्मीर में खत्म हो जाएगी। कांग्रेस ने एक बयान में दावा किया था कि यह भारत के इतिहास में किसी भी भारतीय राजनेता द्वारा सबसे लंबा पैदल मार्च है।

ओबामा ने मनमोहन सिंह को कहा था गुरु : जयराम

नई दिल्ली। जी-20 बैठक को लेकर बीजेपी और कांग्रेस में एक नई बहस छिड़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जी-20 शिखर सम्मेलन में दुनियाभर के नेताओं के साथ बैठक को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के नेता आमने-सामने हैं। दरअसल, बीजेपी आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने जी-20 सम्मेलन में पीएम मोदी का बाइडन और अन्य नेताओं के साथ वीडियो लगाते हुए उसकी तुलना पूर्व पीएम मनमोहन से की, जिसके बाद कांग्रेसी खेमे की ओर से पलटवार करते हुए डॉ. मनमोहन सिंह के विश्व नेताओं से मुलाकात के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 2009 की एक कांफ्रेस का जिक्र करते हुए पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और मनमोहन सिंह का एक किस्सा शेयर किया है।

लेवाना होटल पर 9 दिसंबर को चलेगा बुलडोजर

दो महीने बाद भी मैनेजमेंट होटल के वैध होने का सबूत नहीं दे सका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

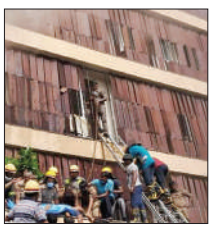

लखनऊ। हजरतगंज के होटल लेवाना सुइट्स पर एलडीए ने बुलडोजर चलाने का अल्टीमेटम दे दिया है। इस नोटिस में एलडीए ने प्रबंधक को खुद ही होटल तोड़ने का आदेश दिया है। अगर खुद नहीं तोड़ा तो नौ दिसंबर को एलडीए खुद बुलडोजर लेकर पहुंचेगा, जिसकी भरपाई भी होटल प्रबंधक को करनी होगी। इस होटल में 4 सितंबर को भयंकर अग्निकांड में चार लोगों की मौत हो गई थी। यह अवैध होटल एलडीए, फायर डिपार्टमेंट और जिला प्रशासन की मिलीभगत से बना था, जो अभी तक चल रहा है। होटल में फायर सेफ्टी के कोई इंतजाम तक नहीं थे।

सूत्रों की मानें, तो लखनऊ के पूर्व डीएम और एलडीए वीसी रह चुके अफसर भी अक्सर यहां पार्टी करते थे। उनका रसूख ऐसा था कि कोई होटल पर नजर नहीं डालता था। इसी का नतीजा रहा कि अनगिनत खामियों के बाद भी इस होटल पर कभी कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि पिछले विधानसभा चुनाव में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी जब यूपी में आई थीं, तो इसी होटल में रुकी थीं। बता दें कि 14 नवंबर को ख्र ने लेवाना होटल को बुलडोजर से गिराने का आदेश दिया। अवैध रूप से बनाए गए होटल में 4 लोगों की मौत के मामले में जिम्मेदार मानते हुए एलडीए ने प्रबंधक को नोटिस जारी किया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा-

स्कूलों में डेंगू से बचाव के लिए क्या किया

मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर को होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डेंगू के फैले प्रकोप को देखते हुए स्कूलों में इसके बचाव के बारे में शासन से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने पूछा है कि स्कूलों में क्या व्यवस्था की गई है। खासकर बच्चों के लिए। उन्हें संक्रमण से बचने के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं। उन्हें इस मामले में जागरूक किया गया है या नहीं।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए पांच दिसंबर की तिथि तय करते हुए सरकार से रिपोर्ट देने के लिए कहा है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मनोज मिश्र और न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ कर रही है। इसके पूर्व सुनवाई शुरू होने पर प्रयागराज में डेंगू के उपचार के लिए की गई

व्यवस्था के संबंध में स्वास्थ्य विभाग की ओर से रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बताया गया कि उपचार के लिए अस्पतालों में बेड सुरक्षित हैं। वहां फिजिशियन तैनात हैं। जांच और दवाओं के इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स भी पर्याप्त मात्रा है। संक्रमण बढ़ने के दौरान इसकी कमी थी लेकिन अब इसकी कमी को भी दूर कर लिया गया है। इसके साथ ही इसकी मांग भी कम हो गई है। सरकार की तरफ से अधिवक्ता एके गोयल ने बहस की। कोर्ट ने मामले की सुनवाई केलिए पांच दिसंबर की तिथि तय कर दी।

चिराग के पार्टी सिंबल पर 29 को सुनवाई करेगा चुनाव आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर चुनाव आयोग 29 नवंबर को चिराग पासवान और पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाले दो धड़ों की सुनवाई करेगा।

अक्टूबर 2021 में अपने अंतरिम आदेश में, आयोग ने दो प्रतिद्वंद्वी समूहों को लोक जनशक्ति पार्टी या उसके प्रतीक बंगले के नाम का उपयोग करने से रोक दिया, जब तक कि उनके बीच विवाद का निपटारा नहीं हो जाता। दोनों गुटों को 12 नवंबर को भेजे गए एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि उसने 29 नवंबर को चुनाव आयोग के मुख्यालय निर्वाचन सदन में उनकी सुनवाई करने का फैसला किया है। दोनों गुटों से कहा गया है कि वे 28 नवंबर तक कोई भी नया दस्तावेज जमा करें और एक-दूसरे के साथ एक प्रति साझा करें।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM

के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com

sharmasanjaya.05@gmail.com

वार्ड आरक्षण प्रस्ताव में जनसंख्या आंकड़ों में खेल कर रहे अफसर

कई निकायों ने मानकों का पालन किए बगैर ही भेज दिया प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार को निकायों से मिले वार्ड आरक्षण के प्रस्तावों में कई तरह की त्रुटियां मिली हैं। कई निकायों ने मानकों का पालन किए बगैर ही प्रस्ताव भेज दिया है। कुछ निकायों ने जनसंख्या के आंकड़ों में ही खेल कर दिया है। इसके चलते आरक्षित सीटों में अंतर आ रहा है।

शासन अब ऐसे नगरीय निकायों के अधिकारियों को बुलाकर उनके प्रस्तावों को ठीक करा रहा है। ऐसे में कुछ नगरीय निकायों के वार्ड आरक्षण की अंतिम अधिसूचना एक-दो दिन में जारी होने की उम्मीद है। नगर विकास विभाग ने नगरीय निकायों से वार्ड आरक्षण का प्रस्ताव चार नवंबर तक उपलब्ध कराने को कहा था। महिला आरक्षण को लेकर शासन ने एक स्पष्टीकरण उसी दिन जारी कर दिया था। इस कारण निकायों से वार्ड आरक्षण के प्रस्ताव भी विलंब से मिले। जो प्रस्ताव मिले उनमें भी खामियां सामने आई हैं। कई नगरीय निकायों ने रैपिड सर्वे में मिले आंकड़ों का ठीक से मिलान ही नहीं किया है या फिर चक्रानुक्रम नियमों का पालन पूरी तरह से नहीं किया है। शासन स्तर पर प्रस्तावों की जांच में कई खामियां मिल रही हैं। यदि सरकार ने वार्ड आरक्षण के प्रस्तावों में त्रुटियां न सुधारीं तो आगे चलकर न्यायालय में मामला फंस सकता है।

वार्ड आरक्षण में नियमों के पालन पर शासन का फोकस

यह देखा जा रहा है कि वर्ष 2017 के चुनाव में इनका क्या आरक्षण था और क्या भेजा गया है। कहीं किसी के दबाव में मनमाने तरीके से तो आरक्षित नहीं कर दिया गया है। वहीं, नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात से आरक्षण की शिकायतों को लेकर रोज विधायक व चेयरमैन मिल रहे हैं। ज्यादातर शिकायतें वार्डों के आरक्षण के प्रस्ताव में नियमों का पालन न करने की हैं। प्रमुख सचिव ने भी ऐसी त्रुटियों को सुधारने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।